AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Fasega!

Based on NCERT Pattern

10 पेपर्स के विश्लेषण चार्ट का समावेश

UPTET 2022-23

उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा

हिन्दी

PAPER-I (कक्षा 1 से 5 के लिए)
PAPER-II (कक्षा 6 से 8 के लिए)

Best Text book!

इस पुस्तक की थ्योरी UPTET के पाठ्यक्रम एवं विगत् वर्षों में पूछे गये प्रश्नों पर आधारित है।

इस पुस्तक का गहन अध्ययन करने से आप UPTET हिन्दी के प्रश्नों को आसानी से हल कर सकते हैं।

NEW 2in1 Series

- UPTET पाठ्यक्रमानुसार सम्पूर्ण थ्योरी
- UPTET 2013-2020 के सभी प्रश्नों का व्याख्यात्मक हल सहित अध्यायवार संकलन
- UPTET 28 Nov 2021 व 23 Jan 2022 के विषयवार सॉल्वड पेपर्स का हल सहित समावेश

Code	Price	Pages
CB888	₹ 139	166

Based on NCERT Pattern

UPTET 2022-23

उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा

हिन्दी

PAPER-I (कक्षा 1 से 5 के लिए)
PAPER-II (कक्षा 6 से 8 के लिए)

AGRAWAL GROUP OF PUBLICATIONS
EduCart | Agrawal Publications | AGRAWAL EXAMCART

Book Name	UPTET हिन्दी Paper-I & II Textbook 2022-23
Editor Name	Rahul Agarwal
Edition	Latest
Published by	Agrawal Group Of Publications (AGP)

© All Rights reserved.
ADDRESS (Head office)	28/115 Jyoti Block, Sanjay Place, Agra, U.P. 282002
CONTACT	quickreply@agpgroup.in We reply super fast
BUY BOOK	www.examcart.in Cash on delivery available
WHATSAPP (Head office)	8937099777
PRINTED BY	Schoolcart
DESKTOP PUBLISHING	Agrawal Group Of Publications (AGP)
ISBN	978-93-5561-333-2
© COPYRIGHT	Agrawal Group Of Publications (AGP)

Disclaimer: This teaching material has been published pursuant to an undertaking given by the publisher that the content does not in any way whatsoever violate any existing copyright or intellectual property right. Extreme care is put into validating the veracity of the content in this book. However, if there is any error found, please do report to us on the below email and we will re-check; and if needed rectify the error immediately for the next print.

ATTENTION

No part of this publication may be re-produced, sold or distributed in any form or medium (electronic, printed, pdf, photocopying, web or otherwise) on Amazon, Flipkart, Snapdeal without the explicit contractual agreement with the publisher. Anyone caught doing so will be punishable by Indian law.

इस प्रकाशन का कोई भी हिस्सा प्रकाशक के साथ स्पष्ट संविदात्मक समझौते के बिना अमेज़न, फ्लिपकार्ट, स्नैपडील पर किसी भी रूप या माध्यम (इलेक्ट्रॉनिक, मुद्रित, पीडीएफ, फोटोकॉपी, वेब या अन्यथा) में फिर से उत्पादित, बेचा या वितरित नहीं किया जा सकता है। जो कोई भी ऐसा करता हुआ पकड़ा जाएगा, वह भारतीय कानून द्वारा दंडनीय होगा।

AGP contributes Rupee One on every book purchased by you to the **Friends of Tribals Society** Organization for better education of tribal children.

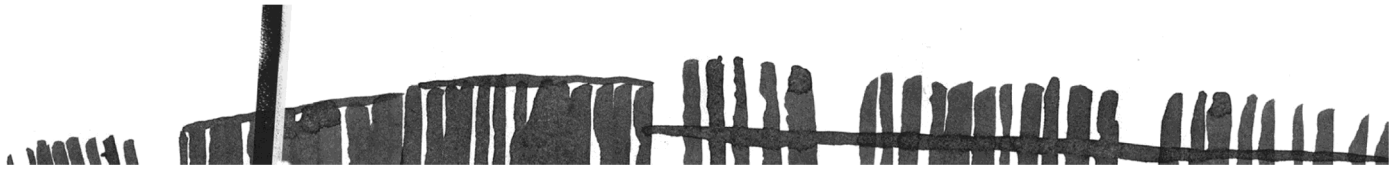

UPTET (1-5) के पिछले वर्षों के हल प्रश्न-पत्रों का विश्लेषण चार्ट

हिन्दी

क्र. सं.	अध्याय	23-01-22	28-11-21	8.1.2020	18.11.2018	15.10.2017	19.12.2016	2.2.2016	23.2.2014	27.6.2013
1.	अपठित गद्यांश/पद्यांश	5	1	4	2	5	—	—	—	—
2.	हिंदी वर्णमाला और वर्णों के मेल से मात्रिक तथा अमात्रिक शब्दों की पहचान	4	1	2	3	2	1	1	—	2
3.	वाक्य रचना एवं वाक्यगत अशुद्धियाँ	1	—	2	1	—	1	—	—	—
4.	हिंदी की सभी ध्वनियों के पारस्परिक अंतर की जानकारी	—	—	—	—	—	1	—	—	—
5.	विराम चिह्न एवं वर्तनी	—	—	2	2	2	1	1	1	1
6.	विलोम, समानार्थी, तुकांत, अतुकांत, समान ध्वनियों वाले शब्द	2	2	2	4	1	2	1	1	6
7.	संज्ञा, सर्वनाम, अव्यय, क्रिया एवं विशेषण के भेद	2	7	2	2	2	1	—	2	1
8.	वचन, लिंग, कारक एवं काल	–	2	2	1	—	2	1	4	3
9.	प्रत्यय, उपसर्ग, तत्सम, तद्भव व देशज शब्दों की पहचान एवं उसमें अंतर	3	2	2	4	3	4	3	2	—
10.	लोकोक्तियाँ/मुहावरे एवं एकार्थी शब्द	1	2	1	—	3	3	2	3	5
11.	संधि	1	1	1	1	1	1	1	1	3
12.	वाच्य, समास एवं अलंकार/रस व छंद	2	4	3	5	2	3	5	5	—
13.	हिंदी साहित्य : कवियों एवं लेखकों की रचनाएँ	5	4	6	5	9	5	15	7	9
14.	वाक्यांश के लिए एक शब्द	2	2	--	—	—	—	--	—	--
15.	भाषा शिक्षण शास्त्र	2	2	1	—	—	5	—	4	—

UPTET (6-8) के पिछले वर्षों के हल प्रश्न-पत्रों का विश्लेषण चार्ट

23 Jan. 2022 में पूछे गये सभी प्रश्न **Oct. 2017** के पेपर के अनुसार पूछे गये हैं।

हिन्दी

क्र. सं.	अध्याय	Jan. 2020	Nov. 2018	Oct. 2017/ 23 Jan. 2022	Dec. 2016	Feb. 2016	Feb. 2014	27 Jun 2013
1.	अपठित गद्यांश	2	2	2	–	–	–	–
2.	अपठित पद्यांश	2	–	–	–	–	–	–
3.	हिंदी वर्णमाला और वर्णों के मेल से मात्रिक तथा अमात्रिक शब्दों की पहचान	4	2	1	–	1	1	2
4.	वाक्य रचना एवं वाक्यगत अशुद्धियाँ	1	1	1	2	–	1	–
5.	हिंदी की सभी ध्वनियों के पारस्परिक अंतर की जानकारी	–	–	–	–	–	–	–
6.	विराम चिह्न एवं वर्तनी	–	2	–	1	–	1	1
7.	विलोम, समानार्थी, तुकांत, अतुकांत, सामान ध्वनियाँ वाले शब्द एवं अनेकार्थी शब्द	4	6	3	2	–	–	–
8.	संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण एवं क्रियाविशेषण के भेद	3	–	2	2	3	2	2
9.	वचन , लिंग, कारक एवं काल	3	–	1	2	1	1	–
10.	प्रत्यय, उपसर्ग, तत्सम, तद्भव व देशज शब्दों की पहचान एवं उसमें अंतर	1	2	1	3	3	2	2
11.	लोकोक्तियाँ ध्मुहावरों एवं एकार्थी शब्द	2	8	4	2	1	5	2
12.	संधि	2	2	2	1	2	–	–
13.	वाच्य, समास एवं अलंकार/रस व् छंद	4	3	3	4	7	4	1
14.	हिंदी साहित्य : कवियों एवं लेखकों की रचनाएँ	1	–	8	6	9	11	17
15.	भाषा शिक्षण शास्त्र	1	2	2	–	3	2	3

उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा कक्षा पाठ्यक्रम

हिन्दी (1-5)

(क) विषय-वस्तु

- अपठित अनुच्छेद।
- हिन्दी वर्णवामाला। (स्वर, व्यंजन)
- वर्णों के मेल से मात्रिक तथा अमात्रिक शब्दों की पहचान।
- वाक्य रचना।
- हिन्दी की सभी ध्वनियों के पारस्परिक अंतर की जानकारी विशेष रूप से - ष, स, श, ब, व, ढ, ड, ङ, क्ष, छ, ण तथा न की ध्वनियाँ।
- हिन्दी भाषा की सभी ध्वनियों, वर्णों, अनुस्वार, अनुनासिक एवं चन्द्रबिन्दु में अन्तर।
- संयुक्ताक्षर एवं अनुनासिक ध्वनियों के प्रयोग से बने शब्द।
- सभी प्रकार की मात्राएँ।
- विराम चिन्हों यथा- अल्प विराम, अर्द्धविराम, पूर्णविराम, प्रश्नवाचक, विस्मयबोधक, चिन्हों का प्रयोग।
- विलोम, समानार्थी, तुकान्त, अतुकान्त, समान ध्वनियों वाले शब्द।
- संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया एवं विशेषण के भेद।
- वचन, लिंग एवं काल।
- प्रत्यय, उपसर्ग, तत्सम, तद्भव व देशज, शब्दों की पहचान एवं उनमें अन्तर।
- लोकोक्तियों एवं मुहावरों के अर्थ।
- सन्धि- (1) स्वर सन्धि- दीर्घ सन्धि, गुण सन्धि, वृद्धि सन्धि, यण् सन्धि, अयादि सन्धि।
  (2) व्यंजन सन्धि।
  (3) विसर्ग सन्धि।
- वाच्य, समास एवं अलंकार के भेद।
- कवियों एवं लेखकों की रचनाएँ।

(ख) भाषा विकास का अध्यापन

- अधिगम और अर्जन।
- भाषा अध्यापन के सिद्धान्त।
- सुनने और बोलने की भूमिका: भाषा का कार्य तथा बालक इसे किस प्रकार एक उपकरण के रूप में प्रयोग करते हैं।
- मौखिक और लिखित रूप में विचारों के संप्रेषण के लिए किसी भाषा के अधिगम में व्याकरण की भूमिका पर निर्णायक संदर्श।
- एक भिन्न कक्षा में भाषा पढ़ाने की चुनौतियाँ; भाषा की कठिनाइयाँ, त्रुटियां और विकार।
- भाषा कौशल।
- भाषा बोधगम्यता और प्रवीणता का मूल्यांकन करना : बोलना, सुनना, पढ़ना और लिखना।
- अध्यापन- अधिगम सामग्रियाँ : पाठ्यपुस्तक, मल्टीमीडिया सामग्री, कक्षा का बहुभाषायी संसाधन।
- उपचारात्मक अध्यापन।

हिन्दी (6-8)

(क) विषय-वस्तु

- अपठित अनुच्छेद।
- संज्ञा एवं संज्ञा के भेद।
- सर्वनाम एवं सर्वनाम के भेद।
- विशेषण एवं विशेषण के भेद।
- क्रिया एवं क्रिया के भेद।
- वाच्य - कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य।
- हिन्दी भाषा की समस्त ध्वनियों, संयुक्ताक्षरों, संयुक्त व्यंजनों एवं अनुस्वार एवं चन्द्रबिन्दु में अन्तर।
- वर्णक्रम, पर्यायवाची, विपरीतार्थक, अनेकार्थक, समानार्थी शब्द।
- अव्यय के भेद।
- अनुस्वार, अनुनासिक का प्रयोग।
- ''र'' के विभिन्न रूपों का प्रयोग।
- वाक्य निर्माण (सरल, संयुक्त एवं मिश्रित वाक्य)।
- विराम चिन्हों की पहचान एवं उपयोग।
- वचन, लिंग एवं काल का प्रयोग।
- तत्सम, तद्भव, देशज एवं विदेशी शब्द।
- उपसर्ग एवं प्रत्यय।
- शब्द युग्म।
- समास, समास विग्रह एवं समास के भेद।
- मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ।
- क्रिया सकर्मक एवं अकर्मक।
- सन्धि एवं सन्धि के भेद। (स्वर, व्यंजन एवं विसर्ग सन्धियाँ)
- अलंकार। (अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्ष, अतिशयोक्ति)

(ख) भाषा विकास का अध्यापन

- अधिगम और अर्जन।
- भाषा अध्यापन के सिद्धान्त।
- सुनने और बोलने की भूमिका: भाषा का कार्य तथा बालक इसे किस प्रकार एक उपकरण के रूप में प्रयोग करते हैं।
- मौखिक और लिखित रूप में विचारों के संप्रेषण के लिए किसी भाषा के अधिगम में व्याकरण की भूमिका पर विवेचितक संदर्श।
- एक भिन्न कक्षा में भाषा पढ़ाने की चुनौतियाँ; भाषा की कठिनाइयाँ, त्रुटियां और विकार।
- भाषा कौशल।
- भाषा बोधगम्यता और प्रवीणता का मूल्यांकन करना : बोलना, सुनना, पढ़ना और लिखना।
- अध्यापन- अधिगम सामग्रियाँ : पाठ्यपुस्तक, मल्टीमीडिया सामग्री, कक्षा का बहुभाषायी संसाधन।
- उपचारात्मक अध्यापन।

विषय-सूची

सॉल्व्ड पेपर्स

- ❖ उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा पेपर-I (कक्षा-1-5) हल प्रश्न–पत्र (23-01-2021) 1-2
- ❖ उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा पेपर-I (कक्षा-1-5) हल प्रश्न–पत्र (28-11-2021) 3-4

अध्याय		पृष्ठ सं.

1.	अपठित अनुच्छेद	1-6
2.	हिन्दी वर्णमाला और वर्णों के मेल से मात्रिक तथा अमात्रिक शब्दों की पहचान	7-10
3.	वाक्य रचना	11-15
4.	हिन्दी की सभी ध्वनियों के पारस्परिक अन्तर की जानकारी (ध्वनियों, वर्णों, अनुस्वार, संयुक्ताक्षर, अनुनासिक एवं चन्द्रबिन्दु में अन्तर और सभी प्रकार की मात्राएँ एवं 'र' के भिन्न रूपों का प्रयोग)	16-22
5.	विराम चिह्न/वर्तनी	23-28
6.	विलोम शब्द, समानार्थी, तुकान्त, अतुकान्त, समान ध्वनियों वाले शब्द, अनेकार्थी शब्द	29-42
7.	संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं क्रिया-विशेषण के भेद	43-54
8.	लिंग, वचन, कारक एवं काल	55-61
9.	शब्द रचना : तत्सम्, तद्भव, देशज, विकारी-अविकारी एवं उपसर्ग-प्रत्यय	62-70
10.	मुहावरे-लोकोक्तियाँ एवं एकार्थी शब्द	71-78
11.	सन्धि	79-86
12.	वाच्य, समास, अलंकार, रस तथा छन्द	87-106
13.	हिन्दी साहित्य : हिन्दी गद्य-पद्य कृति एवं कृतिकार	107-126
14.	अधिगम और अर्जन	127-129
15.	भाषा अध्यापन के सिद्धान्त	130-134
16.	बोलने एवं सुनने की भूमिका : भाषा के कार्य	135-138
17.	भाषा अधिगम में व्याकरण की भूमिका	139-143
18.	एक भिन्न कक्षा में भाषा पढ़ाने की चुनौतियाँ	144-147
19.	भाषा कौशल	148-153
20.	भाषा बोधगम्यता में प्रवीणता का मूल्यांकन/उपचारात्मक शिक्षण	154-156
21.	अध्यापन अधिगम सामग्रियाँ : पाठ्यपुस्तक मल्टीमीडिया सामग्री, कक्षा के बहुभाषायी संसाधन	157-160

अध्याय
1

अपठित अनुच्छेद

इस प्रकार का परीक्षण विद्यार्थी की योग्यता को जाँचने का सर्वोत्तम उपाय होता है। इसमें एक अपठित पद्यांश या गद्यांश दिया जाता है जिस पर आधारित कुछ वस्तुनिष्ठ प्रश्न उसके नीचे दिए गए होते हैं जिनके चार वैकल्पिक उत्तर होते हैं। इनमें से एक सही उत्तर चिह्नित करना होता है।

इसे हल करने के लिए सर्वप्रथम गद्यांश या पद्यांश को पूर्ण एकाग्रता के साथ ध्यानपूर्वक पढ़ना चाहिए उसके पश्चात् उसी पर आधारित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर उनके सही उत्तर खोजने का प्रयास करना चाहिए। यह उत्तर अपठित गद्यांश पर आधारित होने चाहिए न कि अनुमान पर। इस तरह का प्रयास विद्यार्थी की सूझ-बूझ का परिचय देता है।

UPTET (2013-2020) के पेपर्स में पूछे गये प्रश्न

निर्देश (प्रश्न संख्या 1 एवं 2 के लिए)

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गाँधीवाद में राजनीतिक और आध्यात्मिक तत्वों का समन्वय मिलता है। यही इस वाद की विशेषता है। आज संसार में जितने भी वाद प्रचलित हैं वह प्रायः राजनीतिक क्षेत्र में सीमित हो चुके हैं। आत्मा से उनका सम्बन्ध–विच्छेद होकर केवल बाह्य संसार तक उनका प्रसार रह गया है। मन की निर्मलता और ईश्वर निष्ठा से आत्मा को शुद्ध करना गाँधीवाद की प्रथम आवश्यकता है। ऐसा करने से निःस्वार्थ बुद्धि का विकास होता है और मनुष्य सच्चे अर्थों में जन सेवा के लिए तत्पर हो जाता है। गाँधीवाद में साम्प्रदायिकता के लिए कोई स्थान नहीं है। इसी समस्या को हल करने के लिए गाँधीजी ने अपने जीवन का बलिदान कर दिया था।

1. उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर बताइये कि संसार के सारे वाद सीमित हैं–
(A) साम्प्रदायिकता तक
(B) आत्मा तक
(C) धर्म तक
(D) राजनीतिक क्षेत्र तक
UPTET Paper-1, (08/01/2020)

1. (D) आज संसार में जितने भी वाद प्रचलित हैं वह प्रायः राजनीतिक क्षेत्र में सीमित हो चुके हैं।

2. उपर्युक्त गद्यांश में गाँधीवाद का आधार किसे बताया गया है?
(A) जनसेवा और आध्यात्म को
(B) ईश्वर निष्ठा और मन की निर्मलता को
(C) राजनीतिक आध्यात्म और साम्प्रदायिकता को
(D) राजनीतिक और आध्यात्मिक तत्व को
UPTET Paper-1, (08/01/2020)

2. (D) गाँधीवाद का आधार राजनीतिक व आध्यात्मिक तत्व को बताया गया है।

निर्देश (प्रश्न संख्या 3 एवं 4 के लिए)

दिए गए पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

वरदन्त की पंगति कुंदकली अधराधर पल्लव खोलन की।

चपला चमकै घन बीच जगै छवि मोतिन माल अमोलन की।।

घुँघरारि लटैं लटकैं मुख ऊपर कुण्डल लाल कपोलन की।

निछावर प्राण करैं 'तुलसी' बलि जाऊँ लला इन बोलन की।

3. इस पद्यांश में कौन–सा रस है?
(A) वात्सल्य रस (B) श्रृंगार रस
(C) शान्त रस (D) करुण रस
UPTET Paper-1, (08/01/2020)

3. (A) इन पंक्तियों में भगवान राम के वात्सल्य रूप का वर्णन किया गया है। अतः यहाँ वात्सल्य रस है।

4. उपरोक्त पद्य किस कवि का है?
(A) सूरदास (B) तुलसीदास
(C) कबीर (D) जायसी
UPTET Paper-1, (08/01/2020)

4. (B) उपर्युक्त पंक्तियाँ तुलसीदास द्वारा लिखित है।

निर्देश (प्रश्न संख्या 5 एवं 6 के लिए)

दिये गए गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प छाँटिए।

स्पष्टता, आत्म–विश्वास, विषय की अच्छी पकड़ और प्रभावशाली भाषा में अपने विचारों और भावनाओं को व्यक्त करना ही सम्प्रेषण–कला है, जो निरंतर अभ्यास से निखारी जा सकती है। एक दिन में कोई अच्छा वक्ता नहीं बन सकता तथा भाषा पर अनायास ही किसी की पकड़ नहीं हो पाती। इसी अभ्यास से स्वामी विवेकानन्द ने जिस सम्प्रेषण–कला का विकास किया था, उसने विश्वधर्म–सम्मेलन में लाखों अमेरिका– निवासियों को चकित और मोहित कर दिया था।

5. सम्प्रेषण-कला क्या नहीं है ?
(A) प्रभावशाली भाषा
(B) अलंकरण
(C) आत्म-विश्वास
(D) विचारों और भावनाओं को व्यक्त करना
UPTET Paper-1, (18/11/2018)

5. (B) गद्यांश के अनुसार स्पष्टता, आत्म-विश्वास, विषय की अच्छी पकड़ और प्रभावशाली भाषा में अपने विचारों और भावनाओं को व्यक्त करना ही संप्रेषण कला है। इस प्रकार 'अलंकरण' संप्रेषण कला नहीं है।

6. सम्प्रेषण-कला का विकास किससे होता है ?
(A) अनायास
(B) अभ्यास
(C) भाषण
(D) विषय की अच्छी पकड़
UPTET Paper-1, (18/11/2018)

6. (B) सम्प्रेषण कला का विकास निरंतर अभ्यास द्वारा किया जाता है।

निर्देश (प्रश्न संख्या 7 से 11 तक)

दिए गए गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प छाँटिए–

आदिम आर्य घुमक्कड़ ही थे। यहाँ से वहाँ वे घूमते ही रहते थे। घूमते भटकते ही वे भारत पहुँचे थे। यदि घुमक्कड़ी का बाना उन्होंने न धारण किया होता, यदि वे एक स्थान पर ही रहते, तो आज भारत में उनके वंशज न होते। भगवान बुद्ध घुमक्कड़ तथा भगवान महावीर घुमक्कड़ थे। वर्षा–ऋतु के कुछ महीनों को छोड़कर एक स्थान में रहना बुद्ध के वश का नहीं था। 35 वर्ष की आयु में उन्होंने बुद्धत्व प्राप्त किया। 35 वर्ष से 80 वर्ष की आयु तक, जब उनकी मृत्यु हुई, 45 वर्ष तक वे निरन्तर घूमते ही रहे। अपने आपको समाज सेवा और धर्म प्रचार में लगाए रहे। अपने शिष्यों से उन्होंने कहा था 'चरथ भिक्खने चारिक' हे भिक्षुओं! घुमक्कड़ी करो यद्यपि बुद्ध कभी भारत के बाहर नहीं गए, किन्तु उनके शिष्यों ने उनके वचनों को सिर आँखों पर लिया और

पूर्व में जापान, उत्तर में मंगोलिया, पश्चिम में मकदूनिया और दक्षिण में बाली द्वीप तक धावा मारा। श्रावण महावीर ने स्वच्छन्द विचरण के लिए अपने वस्त्रों तक को त्याग दिया।

दिशाओं को उन्होंने अपना अम्बर बना लिया, वैशाली में जन्म लिया, पावा में शरीर त्याग किया। जीवनपर्यन्त घूमते रहे। मानव के कल्याण के लिए मानवों के राह प्रदर्शन के लिए और शंकराचार्य बारह वर्ष की अवस्था में संन्यास लेकर कभी केरल, कभी मिथिला, कभी कश्मीर और कभी बद्रिकाश्रम में घूमते रहे। कन्याकुमारी से लेकर हिमालय तक समस्त भारत को अपना कर्मक्षेत्र समझा। सांस्कृतिक एकता के लिए, समन्वय के लिए, श्रुति धर्म की रक्षा के लिए शंकराचार्य के प्रयत्नों से ही वैदिक धर्म का उत्थान हो सका।

7. 'घुमक्कड़' शब्द में कौन–सा प्रत्यय है?

(A) अक्कड़ (B) ड़

(C) अड़ (D) कड़

UPTET Paper-1, (15/10/2017)

7. (A) 'घुम' मूल शब्द में अक्कड़ प्रत्यय के योग से घुमक्कड़ शब्द निर्मित है।

8. महावीर स्वामी का जन्म कहाँ हुआ था?

(A) पावापुरी (B) वैशाली

(C) कुशीनागर (D) पारसौली

UPTET Paper-1, (15/10/2017)

8. (B) दिए गए गद्यांश में स्पष्ट रूप से वर्णित है कि महावीर स्वामी का जन्म वैशाली में हुआ था।

9. 'स्वच्छन्द' में कौन–सी सन्धि है?

(A) विसर्ग (B) दीर्घ

(C) गुण (D) व्यंजन

UPTET Paper-1, (15/10/2017)

9. (D) स्वच्छन्द में व्यंजन सन्धि है। किसी भी ह्रस्व स्वर या 'आ' का मेल 'छ' से होने पर 'छ' से पहले 'च' जुड़ जाता है–

यथा– स्व + छन्द = स्वच्छन्द

परि + छेद = परिच्छेद आदि

10. महात्मा बुद्ध ने जब बुद्धत्व प्राप्त किया तब उनकी अवस्था कितनी थी?

(A) 12 वर्ष (B) 35 वर्ष

(C) 45 वर्ष (D) 80 वर्ष

UPTET Paper-1, (15/10/2017)

10. (B) स्पष्टतया महात्मा बुद्ध ने जब बुद्धत्व प्राप्त किया, तब उनकी अवस्था 35 वर्ष थी।

11. 'श्रुति धर्म' का क्या अर्थ है?

(A) जैन धर्म (B) बौद्ध धर्म

(C) मुस्लिम धर्म (D) वैदिक धर्म

UPTET Paper-1, (15/10/2017)

11. (D) श्रुति धर्म की रक्षा के लिए ही वैदिक धर्म का उत्पादन हुआ। इसका उद्देश्य सांस्कृतिक एकता एवं समन्वय की भावना की स्थापना करना था।

निर्देश (प्रश्न संख्या 12 एवं 13 के लिए)

दिए गए अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प छाँटिए।

''प्रारम्भ से ही प्रकृति और मनुष्य का अटूट सम्बन्ध रहा है। प्रकृति और मनुष्य का सम्बन्ध अन्योन्याश्रित और परस्पर सह–अस्तित्व पर निर्भर है। प्रकृति ने मानव के लिए जीवनदायक तत्त्वों को उत्पन्न किया। मनुष्य ने वृक्षों के फल, बीज, जड़ें आदि खाकर अपनी भूख मिटाई। पेड़–पौधे हमें केवल भोजन ही प्रदान नहीं करते अपितु जीवनदायिनी वायु, ऑक्सीजन भी प्रदान करते हैं। ये वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड को ग्रहण करते हैं, और ऑक्सीजन बाहर निकालते हैं। पृथ्वी पर हरियाली के स्रोत पेड़–पौधे ही हैं। वर्षा के कारक यही पेड़–पौधे ही हैं। मनुष्य ने अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए वन–सम्पदा का अन्धाधुन्ध दोहन किया है, जिसके कारण प्राकृतिक असन्तुलन उत्पन्न हो गया है। पर्यावरण में ऑक्सीजन की कमी और कार्बन डाइऑक्साइड की बढ़ोतरी तथा पर्यावरण प्रदूषण के कारण अनेक प्रकार की घातक बीमारियाँ फैल रही हैं। पेड़–पौधों की कमी के चलते अनावृष्टि, सूखा और भूमि–क्षरण की समस्या पैदा हो गई है।''

12. पेड़–पौधे हमें क्या नहीं देते हैं?

UPTET 6 to 8, (18/11/2018)

(A) ऑक्सीजन (B) हरियाली

(C) भोजन (D) जल

12. (D) अनुच्छेद के अनुसार पेड़–पौधे हमें ऑक्सीजन, भोजन तथा हरियाली प्रदान करते हैं, जबकि जल नहीं। अतः विकल्प (D) सही है।

13. पर्यावरण असन्तुलन का दुष्परिणाम क्या नहीं है?

UPTET 6 to 8, (18/11/2018)

(A) पर्यावरण प्रदूषण के चलते घातक बीमारियों का बढ़ना

(B) पेड़–पौधों की कमी के कारण बाढ़, अनावृष्टि, सूखा और भूमि–क्षरण की समस्याएँ पैदा होना

(C) ऑक्सीजन की कमी के कारण कार्बन डाइऑक्साइड में बढ़ोतरी

(D) छायादार वृक्षों में फल नहीं लग पाना

13. (D) अनुच्छेद के अनुसार पर्यावरण असन्तुलन का दुष्परिणाम 'छायादार वृक्षों में फल नहीं लग पाना' नहीं है, जबकि अन्य तीनों हैं। अतः विकल्प (D) सही है।

निर्देश (प्रश्न संख्या 14 से 17 तक)

दिए गए गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प छाँटिए।

धर्म पालन करने के मार्ग में सबसे अधिक बाधा चित्त की चंचलता, उद्देश्य की अस्थिरता और मन की निर्बलता से पड़ती है। मनुष्य के कर्तव्य मार्ग में एक ओर तो आत्मा के बुरे–भले कामों का ज्ञान दूसरी ओर आलस्य और स्वार्थपरता रहती है। बस मनुष्य इन्हीं दोनों के बीच में पड़ा रहा है। अन्त में यदि उसका मन पक्का हुआ तो वह आत्मा की आज्ञा मानकर अपना धर्म पालन करता है, पर उसका मन दुविधा में पड़ा रहा है तो स्वार्थपरता उसे निश्चित ही घेरेगी और उसका चरित्र घृणा के योग्य हो जाएगा। इसलिए यह बहुत आवश्यक है कि आत्मा जिस बात को करने की प्रवृत्ति दे, उसे बिना स्वार्थ सोचे, झटपट कर डालना चाहिए। इस संसार में जितने बड़े–बड़े लोग हुए हैं सभी ने अपने कर्तव्य को सबसे श्रेष्ठ माना है, क्योंकि जितने कर्म उन्होंने किए उन सबने अपने कर्तव्य पर ध्यान देकर न्याय का बर्ताव किया। जिन जातियों में यह गुण पाया जाता है, वे ही संसार में उन्नति करती हैं और संसार में उनका नाम आदर से लिया जाता है, जो लोग स्वार्थी होकर अपने कर्तव्य पर ध्यान नहीं देते, वे संसार में लज्जित होते हैं और सब लोग उनसे घृणा करते हैं कर्तव्य पालन और सत्यता में बड़ा घनिष्ठ सम्बन्ध है, जो मनुष्य अपना कर्तव्य पालन करता है, वह अपने कामों और वचनों में सत्यता का बर्ताव भी रखता है। सत्यता ही एक ऐसी वस्तु है, जिससे इस संसार में मनुष्य अपने कार्यों में सफलता पा सकता है, क्योंकि संसार में कोई काम झूठ बोलने से नहीं चल सकता। झूठ की उत्पत्ति पाप, कुटिलता और कायरता से होती है। झूठ बोलना कई रूपों में दिखाई पड़ता है; जैसे–चुप रहना, किसी बात को बढ़कर कहना, किसी बात को छिपाना, झूठ–मूठ दूसरों की हाँ में हाँ मिलाना आदि। कुछ ऐसे लोग भी होते हैं, जो मुँह देखी बातें बनाया करते हैं, पर करते वही हैं, जो उन्हें रुचता है। ऐसे लोग मन में समझते हैं कि कैसे सबको मूर्ख बनाकर हमने अपना काम कर लिया, पर वास्तव में, वे अपने को ही मूर्ख बनाते हैं और अन्त में उनकी पोल खुल जाने पर समाज के लोग उनसे घृणा करते हैं।

14. धर्म पालन करने में बाधा डालने वाली प्रवृत्तियाँ कौन–सी हैं?

UPTET 6-8, (15/10/2017)

(A) कमजोर मन, उद्देश्य का निश्चित न होना तथा चंचल मनोवृत्ति का होना

(B) धर्म का ज्ञान न होना

(C) आलस्य की अधिकता

(D) जानकारी की कमी

14. (A) **कमजोर मन, उद्देश्य का निश्चित न होना तथा चंचल मनोवृत्ति का होना।** गद्यांश में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि धर्म पालन करने के मार्ग में सबसे अधिक बाधा चित्त की चंचलता, उद्देश्य की अस्थिरता और मन की निर्बलता से पड़ती है।

15. संसार के बड़े–बड़े लोगों ने सबसे श्रेष्ठ माना है–

UPTET 6-8, (15/10/2017)

(A) उत्तम चरित्र को (B) सदाचार को

(C) परोपकार को (D) अपने कर्त्तव्य को

15. (D) **अपने कर्त्तव्य को**
गद्यांश में स्पष्ट रूप से कहा गया है, कि इस संसार में जितने बड़े–बड़े लोग हुए हैं, सभी ने अपने कर्त्तव्य को सबसे श्रेष्ठ माना है।

16. 'निर्बलता' शब्द में उपसर्ग और प्रत्यय का सही विकल्प है–

UPTET 6-8, (15/10/2017)

(A) निर् + बल + ता
(B) निर + बल + आ
(C) निर + बलत + आ
(D) निर + बल + अता

16. (A) **निर् + बल + ता**
शब्द 'निर्बलता' निर्' उपसर्ग तथा 'ता' प्रत्यय के संयोग से बना है।

17. 'कायर' की भाववाचक संज्ञा है–

UPTET 6-8, (15/10/2017)

(A) अकायरता (B) कायरत्व
(C) कायरपन (D) कायरता

17. (D) **कायरता**
शब्द 'कायर' की भाववाचक संज्ञा 'कायरता' है।

निर्देश (प्रश्न संख्या 18 एवं 19 के लिए)

निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर विकल्प चुनिए।

कला और जीवन का सम्बन्ध अन्योन्याश्रित है। कलाकार, कल्पना और यथार्थ का समन्वय कर समाज के समक्ष आदर्श रूप प्रस्तुत करता है। इसी कारण जीवन का कला के स्वरूप पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। कलाकार जीवन के यथार्थ रूप को ही चित्रित नहीं करता, वरन् वह आदर्श रूप को भी प्रस्तुत करता है। इस प्रकार जीवन का कला पर और कला का जीवन पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। कलावाद अर्थात् कला के लिए सम्बन्धी विचारों में जीवन के लिए उपयोगी कला ही श्रेयस्कर मानी गई है।

18. कला और जीवन अन्योन्याश्रित हैं का तात्पर्य है– **UPTET 6-8, (08/01/2020)**

(A) जीवन में दोनों उपयोगी हैं
(B) किसी अन्य तत्व पर आश्रित हैं
(C) एक–दूसरे पर आश्रित हैं
(D) एक–दूसरे से पृथक् हैं

18. (C) गद्यांश के अनुसार, कला और जीवन अन्योन्याश्रित हैं, इसका अभिप्राय यह है कि वे एक–दूसरे पर आश्रित हैं।

19. कौन–सी कला श्रेष्ठ मानी गई है?

UPTET 6-8, (08/01/2020)

(A) जो कलावाद पर आधारित हो
(B) जो जीवनोपयोगी हो
(C) जो कल्पना पर आधारित हो
(D) जो प्रकृति का चित्रण करती हो

19. (B) गद्यांश की अन्तिम पंक्ति में उल्लेख किया गया है कि जीवन के लिए उपयोगी कला ही श्रेयस्कर है। अतः जीवनोपयोगी कला श्रेष्ठ मानी गई है।

निर्देश (प्रश्न संख्या 20 एवं 21 के लिए)

दिए गए पद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प छाँटिए।

''स्याम गौर किमि कहौं बखानी।
गिरा अनयन नयन बिनु बानी।।''

20. इस पद्य में कौन–सा भाव है?

UPTET 6-8, (08/01/2020)

(A) करुण
(B) मधुर
(C) सुकुमार
(D) ओज

20. (B) प्रस्तुत पद में कवि ने माधुर्य भाव से श्रीराम की भक्ति की है। इसलिए यहाँ **मधुर** भाव की प्रधानता झलकती है।

21. यह पद्यांश किस कवि का है?

UPTET 6-8, (08/01/2020)

(A) कुम्भनदास (B) नाभादास
(C) तुलसीदास (D) सूरदास

21. (C) प्रस्तुत पद्यांश के कवि गोस्वामी **तुलसीदास** हैं। यह पंक्ति उनकी प्रसिद्ध रचना 'रामचरितमानस' के 'बालकाण्ड' से उद्धृत है। अतः विकल्प (C) सही है।

महत्त्वपूर्ण अभ्यास प्रश्न

निर्देश (प्रश्न संख्या 1 से 5 तक)

नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उचित उत्तर वाले विकल्प को चुनिए–

कुसुम शाम को मन्दिर में दर्शन करते हुए घर गई। वह देर तक गीत गाती रही। उसे समय का पता ही न था, आधी रात बीत गई। उसने सितार बजाई। फिर भी उसका मन न लगा। उसने टहलना शुरू किया, रात किसी तरह कटी। सुबह उसकी आँखें नींद से बेझिल हो रही थीं। वह देर तक सोती रही। माँ ने आकर जगाया और कलेवा करने के लिए कहा। जैसे-तैसे वह उठी, नहाई और साइकिल से कॉलेज के लिए चली। कॉलेज में उसकी सखी ने घी के पराँठे खिलाए। कुसुम के संगीत प्रेम की कॉलेज में छात्र ही नहीं, परिवार में मामा, चाचा, नाना और भाई-बहन भी प्रशंसा करते हैं।

1. इनमें से कौन-सा शब्द स्त्रीलिंग नहीं है ?

(A) शाम (B) रात
(C) कलेवा (D) आँखें

2. 'कुसुम शाम को घर गयी।' इस वाक्य में कौन–सा काल है ?

(A) सामान्य भूत (B) आसन्न भूत
(C) पूर्ण भूत (D) संदिग्ध भूत

3. कारक चिह्न के प्रयोग के बावजूद इनमें से किस शब्द का बहुवचन नहीं बनता ?

(A) घी (B) गीत
(C) घर (D) सखी

4. इनमें से किस शब्द का लिंग नहीं बदलता ?

(A) चाचा (B) छात्र
(C) साइकिल (D) मामा

5. इनमें से कौन–सा शब्द सदैव बहुवचन में ही प्रयुक्त होता है ?

(A) दर्शन (B) मन
(C) पराँठा (D) सितार

निर्देश (प्रश्न संख्या 6 से 10 तक)

नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर सही सबसे उचित विकल्प का चयन कीजिए–

हमेशा याद रखिए कि पसंद और नापसंद आपके सबसे बड़े शत्रु हैं। आप इन्हें पहचानते तक नहीं। उल्टे आप इन्हें पाल-पोसकर दुलारते हैं। वे तो हर क्षण आपकी हानि व ह्रास करने पर ही तुले हैं। इनसे निपटने का व्यावहारिक मार्ग यह है कि अपनी रुचि और अरुचि का विश्लेषण करें।

6. कैसी प्रवृत्तियाँ नकारात्मक हैं ?

(A) जो स्वयं का हित देखती हों
(B) जो अहं से ग्रसित हों
(C) जिनमें अर्थ का भाव हो
(D) जिनमें अहं और स्व–हित का भाव हो

7. लेखक ने शत्रुओं से निपटने का कौन–सा मार्ग सुझाया है?

(A) विश्लेषण करना
(B) भव्य आदर्श रखना
(C) लोक–संग्रह करना
(D) कर्म करना

8. 'नकारात्मक' का विलोम शब्द है–

(A) अनकारात्मक (B) सकारात्मक
(C) अननकारात्मक (D) असकारात्मक

9. "वे तो हर क्षण आपकी हानि व ह्रास करने पर ही तुले हैं" वाक्य में 'वे' सर्वनाम किसके लिए आया है?

(A) मनचली भावनाओं के लिए
(B) अहं–प्रेरित प्रवृत्तियों के लिए
(C) स्वार्थ–प्रेरित प्रवृत्तियों के लिए
(D) पसंद–नापसंद के लिए

10. किस शब्द में 'ना' उपसर्ग का प्रयोग नहीं किया जा सकता है?

(A) काबिल (B) हाजिर
(C) पसंद (D) वाकिफ

निर्देश (प्रश्न संख्या 11 से 15 तक)

नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उचित उत्तर वाले विकल्प को चुनिए–

बोलने का विवेक, बोलने की कला और पटुता व्यक्ति की शोभा है, उसका आकर्षण है। सुबुद्ध वक्ता अपार जनसमूह का मन मोह लेता है, मित्रों के बीच सम्मान

और प्रेम का केन्द्र–बिन्दु बन जाता है। जो लोग अपनी बात को राई का पहाड़ बनाकर उपस्थित करते हैं, वे एक ओर जहाँ सुनने वाले के धैर्य की परीक्षा लिया करते हैं, वहीं अपना और दूसरे का समय भी अकारण नष्ट किया करते हैं, विषय से हटकर बोलने वालों से, अपनी बात को अकारण खींचते चले जाने वालों से तथा ऐसे मुहावरों और कहावतों का प्रयोग करने वालों से जो उस प्रसंग में ठीक ही न बैठ रहे हों, लोग ऊब जाते हैं। वाणी का अनुशासन, वाणी का संयम और सन्तुलन तथा वाणी की मिठास ऐसी शक्ति है जो हर कठिन स्थिति में हमारे अनुकूल ही रहती है, जो मरने के पश्चात् भी लोगों की स्मृतियों में हमें अमर बनाये रहती है। हाँ, बहुत कम बोलना या सदैव चुप्पी लगाकर बैठे रहना भी बुरा है। यह हमारी प्रतिभा और तेज को कुंद कर देता है। ऐसा व्यक्ति गुफा में रहने वाले उस व्यक्ति की तरह होता है, जिसे बहुत दिनों के बाद प्रकाश में आने पर भय लगने लगता है। अतएव कम बोलो, सार्थक और हितकर बोलो। यही वाणी का तप है।

11. इस गद्यांश में व्यक्ति की शोभा और आकर्षण किसे बताया गया है ?
- (A) वक्ता के विवेक को
- (B) कला–पटुता और विवेक को
- (C) विषय से हटकर बोलने की कला को
- (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

12. बहुत कम बोलना भी अच्छा क्यों नहीं है ?
- (A) यह प्रतिभा को कुंद कर देता है व ऐसा व्यक्ति भयभीत रहने लगता है
- (B) कम बोलने वाला विवेकहीन समझा जाता है
- (C) कम बोलने वाले से लोग ऊब जाते हैं
- (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

13. कम, सार्थक तथा हितकारी बोलने को क्या कहा गया है ?
- (A) वाणी का संयम
- (B) वाणी का अनुशासन
- (C) वाणी का तप
- (D) वाणी का गुण

14. 'अकारण' शब्द का विलोम निम्न में से है–
- (A) सकारण/कारणवश
- (B) बिना कारण के
- (C) व्यर्थ में
- (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

15. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक बताइये–
- (A) वक्ता का तप
- (B) वाणी का तप
- (C) बोलने का विवेक
- (D) बोलने की कला

निर्देश (प्रश्न संख्या 16 से 20 तक)

निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर चुनिए।

साहित्य समाज का दर्पण है। इसका सम्बन्ध व्यष्टि से न होकर समष्टि से है क्योंकि समाज में जो आचार–विचार, वेशभूषा, नीति–मर्यादा प्रचलन में होती है, उसका प्रत्यक्ष प्रभाव साहित्य पर अवश्य पड़ता है। चाहे वह किसी भी काल का प्रतिनिधित्व क्यों न करता हो। इस प्रकार साहित्य सामाजिक उन्नति से प्रभावित भी होता है और सामाजिक उन्नति को प्रभावित करने की भी सामर्थ्य रखता है। विद्वानों ने इस सन्दर्भ में कहा है–''साहित्य संगीत, कला विहीनः, साक्षात् पशु पुच्छ विषाण हीनः।'' वाल्तेयर ने साहित्य को समाज का आदर्श गुरु माना है जो अपने मार्ग-दर्शन से प्रत्येक आयु वर्ग के व्यक्ति को एक आदर्श मार्ग दिखलाता है। जब तक साहित्य में समाज का स्पन्दन होता रहता है, वह अमर एवं सजीव साहित्य कहलाता है। किन्तु जिस साहित्य में अश्लीलता, काल्पनिकता एवं अव्यावहारिकता है, वह साहित्य समाज का सच्चा प्रतिनिधित्व नहीं करता।

मध्यकालीन साहित्य मनुष्य के संघर्ष, उसकी चाटुकारिता, मनुष्य के पतन की पराकाष्ठा एवं जातीय संघर्ष को मुखरित करता है जबकि आधुनिक साहित्य जड़–परम्पराओं को त्यागने, प्रतिस्पर्धा में स्वयं के आगे निकलने एवं अपनी सांस्कृतिक पहचान को बचाये रखने के जीवट संघर्ष का समीचीन प्रतीक है। सच तो यह है कि साहित्य एक ओर समाज को अपने अतीत से प्रेरणा देता है, वहीं दूसरी ओर समाज में घट रही घटनाओं को अपने लेखन का आधार बनाता है। इतिहास का मौलिक परिष्कार, संस्कार एवं सुकाल्पनिक विन्यास ही साहित्य है। जिस समाज या राष्ट्र का साहित्य पतन की ओर अग्रसर है वहाँ की युवा पीढ़ी का भविष्य भी शोचनीय है।

16. गद्यांश का उचित शीर्षक होगा–
- (A) साहित्य एवं समाज
- (B) व्यष्टि एवं समष्टि
- (C) मध्यकालीन साहित्य
- (D) साहित्य का पतन

17. समष्टि से तात्पर्य है–
- (A) सम्पूर्ण समाज का प्रतिनिधित्व
- (B) कुलीन वर्ग का साहित्य
- (C) सकारात्मक दृष्टिकोण
- (D) सर्वकालीन साहित्य

18. मध्यकालीन साहित्य समाज की किस विशेषता का प्रतिनिधित्व करता है ?
- (A) उत्तरोत्तर चारित्रिक विकास
- (B) मर्यादित आचरण
- (C) नैतिक पतन
- (D) समाज का बिम्ब–प्रतिबिम्ब

19. युवा पीढ़ी का भविष्य निर्भर करता है–
- (A) समाज की मर्यादा पर
- (B) साहित्यकारों की सोच पर
- (C) शिक्षा की गुणवत्ता पर
- (D) श्रेष्ठ साहित्य के निर्माण पर

20. अमर साहित्य कहलाने का सच्चा हकदार वह साहित्य है, जो–
- (A) सर्वकालिक हो
- (B) सार्वभौमिक हो
- (C) सामाजिक स्पन्दित हो
- (D) आदर्शोन्मुखी हो

निर्देश (प्रश्न संख्या 21 से 25 तक)

निम्नलिखित अवतरण के आधार पर उत्तर दीजिए। प्रश्नों के उत्तर केवल दिए गए गद्यांश पर ही आधारित होने चाहिए।

देश की उन्नति के लिए गांधीजी ने ग्रामोन्नति को सर्वोपरि माना है। भारतीय ग्राम, भारत की प्राचीन सभ्यता व संस्कृति के प्रतीक हैं। ग्राम ही भारतवर्ष की आत्मा हैं और सम्पूर्ण भारत उनका शरीर। शरीर की उन्नति आत्मा की स्वस्थ स्थिति पर निर्भर है। आत्मा के स्वस्थ होने पर ही संपूर्ण शरीर में नवचेतना व नवशक्ति का संचार होता है। आज भी भारत की साठ प्रतिशत जनसंख्या गाँवों में ही बसती है। गांधीजी कहा करते थे– 'भारत का हृदय गाँवों में बसता है। गाँवों की उन्नति से ही भारत की उन्नति हो सकती है। गाँवों में ही सेवा और परिश्रम के अवतार किसान बसते हैं।' अतः भारत की उन्नति नगरों की उन्नति पर नहीं अपितु गाँवों की उन्नति पर निर्भर करती है। अतः ग्रामोन्नति का कार्य देशोन्नति का कार्य है। महाकवि सुमित्रानंदन पंत ने 'भारतमाता ग्रामवासिनी' नामक कविता में ठीक ही कहा है कि भारतवर्ष का वास्तविक स्वरूप गाँवों में है।

21. 'ग्रामोन्नति' शब्द बना है–
- (A) ग्रामों + न्नति
- (B) ग्रामो + नति
- (C) ग्रामोन्न + ति
- (D) ग्राम + उन्नति

22. भारत की उन्नति निर्भर करती है–
- (A) महानगरों की उन्नति पर
- (B) शहरों की उन्नति पर
- (C) कस्बों की उन्नति पर
- (D) ग्रामों की उन्नति पर

23. किसानों को क्या बताया गया है ?
- (A) उन्नति का प्रतीक
- (B) आलसियों का अवतार
- (C) सेवा और परिश्रम का अवतार
- (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

24. शरीर में चेतना व शक्ति का संचार कब होता है ?
- (A) जब शरीर स्वस्थ हो
- (B) जब लोग स्वस्थ हों
- (C) जब आत्मा स्वस्थ हो
- (D) जब कोई भी स्वस्थ न हो

25. भारतीय ग्राम किसके प्रतीक हैं ?
- (A) यूरोप की प्राचीन सभ्यता के
- (B) भारत की प्राचीन संस्कृति के
- (C) भारत की प्राचीन सभ्यता व संस्कृति के
- (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

निर्देश (प्रश्न संख्या 26 से 30 तक)

पद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों में सबसे उचित विकल्प चुनिए–

सुनता हूँ मैंने भी देखा,
काले बादल में हँसती चाँदी की रेखा।
काले बादल जाति-द्वेष के,
काले बादल विश्व-क्लेश के,
काले बादल उठते पर
नवस्वतन्त्रता के प्रवेश के।
सुनता आया हूँ, है देखा
काले बादल में हँसती चाँदी की रेखा।
(चाँदी की रेखा–सुमित्रानन्दन पन्त)

26. "काले बादल में हँसती चाँदी की रेखा।" पंक्ति का भाव है–
(A) बादलों से टकराने से बिजली चमकती है
(B) अँधेरे के बाद प्रकाश आता है
(C) काले बादलों में चाँदी की रेखा रहती है
(D) विपत्तियों के बीच आशा की किरण दिखायी देती है

27. 'काले बादल' प्रतीक हैं.....के।
(A) मानसून द्वारा आने वाली खुशहाली
(B) तूफान
(C) गर्मी से मुक्ति
(D) जातिगत वैमनस्य

28. 'काले बादल में हँसती चाँदी की रेखा' में कौन–सा अलंकार है ?
(A) उत्प्रेक्षा अलंकार (B) श्लेष अलंकार
(C) उपमा अलंकार (D) रूपक अलंकार

29. निम्न में से 'बादल' का पर्यायवाची शब्द नहीं है–
(A) घन (B) पयोधर
(C) जलज (D) जलद

30. 'स्वतन्त्रता' का विलोम शब्द है–
(A) परतन्त्रता (B) पराधीनता
(C) परतन्त्र (D) गुलाम

निर्देश (प्रश्न संख्या 31 से 35 तक)

नीचे दी गई पंक्तियों को पढ़कर सबसे उचित विकल्प का चयन कीजिए–

पूछे किसी भाग्यवादी से,
यदि विधि-अंक प्रबल है।
पद पर क्यों देती न स्वयं
वसुधा निज रतन उगल है ?

31. कवि के अनुसार, यदि भाग्य ही सब कुछ होता, तो क्या होता ?
(A) रत्न मिल जाते
(B) पैरों के नीचे वसुधा होती
(C) धरती स्वयं ही रत्न रूपी सम्पत्ति उगल देती
(D) रत्न स्वयं प्रकाशयुक्त हो उठते

32. तुकबंदी के कारण कौन-सा शब्द बदले हुये रूप में प्रयुक्त हुआ है ?
(A) रतन (B) प्रबल
(C) स्वयं (D) उगल

33. इनमें से कौन–सा 'वसुधा' का समानार्थी है ?
(A) वसुंधरा (B) महीप
(C) वारिधि (D) जलधि

34. 'प्र' उपसर्ग से बनने वाला शब्द-समूह है–
(A) प्रत्येक, प्रभाव, प्रदेश
(B) प्रसाद, प्रत्येक, प्रपत्र
(C) प्रभाव, प्रदेश, प्रपत्र
(D) प्रत्युत्तर, प्रदेश, प्रपत्र

35. कवि ने किसकी महिमा का खण्डन किया है ?
(A) किसी के विधान का
(B) भाग्यवाद का
(C) वसुधा का
(D) रतनों का

निर्देश (प्रश्न संख्या 36 से 41 तक)

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए:

वह आता –
दो टूक कलेजे के करता पछताता पथ पर आता।
पेट–पीठ दोनों मिलकर हैं एक,
चल रहा लकुटिया टेक,
मुट्ठी-भर दाने को – भूख मिटाने को
मुँह फटी पुरानी झोली को फैलाता –
दो टूक कलेजे के करता पछताता पथ पर आता।

36. 'कलेजे के दो टूक करना' का आशय है –
(A) मन को कष्ट पहुँचाना।
(B) दिल की चीर–फाड़ करना।
(C) कठिनाई पैदा करना।
(D) टुकड़े-टुकड़े करना।

37. भिखारी अपनी झोली क्यों फैलाता है ?
(A) झोली में कुछ छिपाना चाहता है।
(B) मुट्ठी–भर अनाज दिखाना चाहता है।
(C) अपनी गरीबी के बारे में बताना चाहता है।
(D) भूख मिटाने के लिए कुछ अन्न चाहता है।

38. 'मुँह' शब्द में प्रयुक्त चंद्रबिंदु है –
(A) अनुनासिक (B) नासिक्य
(C) शिरोरेखा (D) अनुस्वार

39. काव्यांश से हमारे मन में उठने वाला मुख्य भाव है –
(A) हास्य (B) करुणा
(C) वीरता (D) शृंगार

40. 'वह आता' में 'वह' सर्वनाम किसका द्योतक हो सकता है ?
(A) अतिथि (B) भिक्षुक
(C) विकलांग (D) गाँधीजी

41. 'पेट–पीठ दोनों मिलकर हैं एक' इसका कारण क्या हो सकता है ?
(A) झुककर चलना।
(B) कुछ भी भोजन न करना।
(C) भीख माँगने का नाटक करना।
(D) सिकुड़कर बैठना।

व्याख्यात्मक हल

1. (C) शब्द 'कलेवा' अर्थात् कलेऊ (पुल्लिंग) या सुबह का जलपान। अतः विकल्प (C) सही है।

2. (A) 'कुसुम शाम को घर गयी'। सामान्य भूत का वाक्य है। जिस क्रिया के भूतकाल में क्रिया के सामान्य रूप से बीते समय में पूरा होने का संकेत मिले उसे सामान्य भूतकाल कहते हैं तथा जिन वाक्यों के अंत में आ, ई, ए, था, थी, ये आते हैं वे सामान्य भूतकाल को इंगित करते हैं।

3. (A) शब्द 'घी' कारक चिह्न के बावजूद भी बहुवचन नहीं बनता है।

4. (C) शब्द 'साइकिल' का लिंग परिवर्तन नहीं होता है। अन्य विकल्पों के लिंग परिवर्तन रूप हैं– चाचा-चाची, छात्र-छात्रा, मामा-मामी।

5. (A) शब्द 'दर्शन' सदैव बहुवचन में प्रयुक्त होता है।
अन्य शब्दों के बहुवचन इस प्रकार हैं–
मन–मनों, पराँठा–पराँठों, सितार–सितारों

6. (D) जिनमें अहं और स्व–हित का भाव हो वे प्रवृत्तियाँ नकारात्मक होती हैं।

7. (A) शत्रुओं से निपटने का सर्वोत्तम व्यावहारिक मार्ग यह है कि अपनी 'रुचि और अरुचि' का विश्लेषण करें। अतः विकल्प (A) विश्लेषण करना सही है।

8. (B) सकारात्मक सही है।

9. (D) वाक्य में प्रयुक्त शब्द 'वे' सर्वनाम 'पसन्द–नापसन्द' के लिए है।

10. (B) 'हाजिर' शब्द में 'ना' उपसर्ग का प्रयोग नहीं किया जा सकता है। ना–काबिल, ना–वाकिप, ना–पसन्द।

11. (B) गद्यांश में 'कला–पटुता और विवेक' को व्यक्ति की शोभा और आकर्षण बताया गया है।

12. (A) क्योंकि यह प्रतिभा को कुंद कर देता है व ऐसा व्यक्ति भयभीत रहने लगता है तथा स्वतंत्रतापूर्वक मन के विचारों को व्यक्त करने में हिचकिचाहट महसूस करने लगता है।

13. (C) 'वाणी का तप' सही विकल्प है।

14. (A) 'सकारण या कारणवश' शब्द 'अकारण' का विलोम है।

15. (B) 'वाणी का तप' उपयुक्त गद्यांश का उचित शीर्षक है।

कम तथा सार्थक शब्दों के प्रयोग का अधिक प्रभावशाली होने के कारण गद्यांश का शीर्षक 'वाणी का तप' है।

16. (A) 'साहित्य एवं समाज' गद्यांश का उचित शीर्षक है।

समाज में जो आचार–विचार, नीति, मर्यादा आदि प्रचलित होती हैं। वह साहित्य को अवश्य प्रभावित करती हैं।

17. (C) शब्द 'समष्टि' का तात्पर्य है– 'सकारात्मक दृष्टिकोण होना है। अतः विकल्प (C) सही है।

18. (C) मध्यकालीन साहित्य मनुष्य के संघर्ष, उसकी चाटुकारिता, मनुष्य के पतन की पराकाष्ठा एवं जातीय संघर्ष को मुखरित करता है। अतः विकल्प (C) सही है।

19. (D) युवा पीढ़ी का भविष्य श्रेष्ठ साहित्य के निर्माण पर निर्भर करता है।

जिसे एक स्वस्थ समाज में रहने वाले सकारात्मक दृष्टिकोण रखने वाले प्राणियों, मनुष्यों द्वारा प्राप्त किया जा सकता है।

20. (C) जो सामाजिक स्पन्दित हो क्योंकि जब तक साहित्य में समाज का स्पंदन होता रहता है वह अमर एवं सजीव साहित्य कहलाता है।

21. (D) 'ग्रामोन्नति' शब्द ग्राम + उन्नति से बना है। यह गुण संधि है। यदि 'अ' या 'आ' के बाद 'इ' या 'ई', 'उ', या 'ऊ' और 'ऋ' आए, तो दोनों मिलकर क्रमशः 'ए' 'ओ' और 'अर' हो जाते हैं। जैसे – गंगा + उर्मि = गंगोर्मि, महा + उत्सव = महोत्सव।

22. (D) भारत की उन्नति ग्रामों की उन्नति पर निर्भर करती है। अतः ग्रामोन्नति का कार्य देशोन्नति का कार्य है।

23. (C) किसानों को सेवा और परिश्रम का अवतार बताया गया है।

जिसके सेवा और परिश्रम के बल पर साधारण मनुष्य अपने जीवन की दिशा निर्धारित करता है।

24. (C) शरीर में चेतना व शक्ति का संचार उस समय होता है, जब आत्मा स्वस्थ हो। आत्मा के स्वस्थ होने पर ही संपूर्ण शरीर में नवचेतना व नवशक्ति का संचार होता है।

25. (C) भारतीय ग्राम, भारत की प्राचीन सभ्यता व संस्कृति के प्रतीक हैं। ग्राम ही भारतवर्ष की आत्मा है और सम्पूर्ण भारत उनका शरीर।

26. (D) "काले बादल में हँसती चाँदी की रेखा" का भाव है–

विपत्तियों के बीच आशा की किरण दिखायी देती है।

27. (D) काले बादल 'जातिगत वैमनस्य' के प्रतीक हैं। जातिगत वैमनस्य का अर्थ है– 'जाति के कारण मनुष्यों में आपस में बैरभाव होना'।

28. (B) 'काले बादल में हँसती चाँदी की रेखा' में 'श्लेष अलंकार' है। 'जब पंक्ति में एक ही शब्द के अनेक अर्थ होते हैं तब श्लेष अलंकार होता है।'

29. (C) 'जलज'–बादल का पर्यायवाची नहीं है। 'जलज' के पर्यायवाची हैं– कमल, पंकज, नलिन, अम्बुज, सरसिज।

30. (A) 'स्वतन्त्रता' का विलोम – 'परतन्त्रता' है।

स्वतन्त्रता का अर्थ है आजादी या स्वच्छंद होना तथा परतन्त्रता अर्थात् दासता।

31. (C) कवि के अनुसार, यदि भाग्य ही सब कुछ होता तो– 'धरती स्वयं ही रत्न रूपी सम्पत्ति उगल देती'।

यद्यपि यह धरा अनमोल रत्नों से परिपूर्ण है तथापि उद्यमी (परिश्रमी) मनुष्य ही अपने पुरुषार्थ के द्वारा इसे प्राप्त कर सकता है।

32. (A) तुकबंदी के कारण 'रतन' शब्द बदले हुए रूप में प्रयुक्त हुआ है। रतन अर्थात् अनंत सम्पदा।

33. (A) 'वसुधा' का समानार्थी शब्द है 'वसुंधरा'

महीप समानार्थी–भूप, राजा; जलधि का समानार्थी–समुद्र, सिंधु, सागर, नदीश जलधाम, अर्णव; वारधि, जलधि का समानार्थी है।

34. (C) 'प्र' उपसर्ग से बनने वाला शब्द समूह है– प्रभाव, प्रदेश, प्रपत्र।

35. (B) कवि ने 'भाग्यवाद की' महिमा का खण्डन किया है।

कवि कहते हैं कि आलसी लोग ही भाग्य पर निर्भर रहते हैं। वह अपने भाग्य का निर्माता स्वयं होता है।

36. (A) मन को कष्ट पहुँचाना।

प्रस्तुत पद्यांश में कलेजे के दो टूक करने का अर्थ है–(मन को कष्ट पहुँचाना)

वाक्य प्रयोग–कल की ब्याही बेटी को आज विधवा होता देखकर कलेजा दो टूक हो गया।

37. (D) भूख मिटाने के लिए कुछ अन्न चाहता है।

भिखारी अपनी फैलायी हुई झोली में पेट की आग बुझाने के लिए कुछ अन्न या खाने की वस्तु चाहता है।

38. (D) अनुस्वार

मुँह शब्द में प्रयुक्त चंद्रबिन्दु (ँ) अनुनासिक है। ऐसे स्वरों का उच्चारण नाक और मुँह से होता है।

39. (B) करुणा

प्रस्तुत पद्यांश से हमारे मन में उठने वाला भाव करुणा है क्योंकि इस अवतरण में भिखारी की अति दयनीय अवस्था को दर्शाया गया है।

40. (B) भिक्षुक

वह सर्वनाम 'भिक्षुक' के लिए प्रयुक्त किया गया है 'वह' पुरुषवाचक सर्वनाम को इंगित करता है।

41. (B) कुछ भी भोजन न करना।

अर्थात् भोजन न मिलने के कारण वह इतना दुबला हो गया था कि उसका पेट और पीठ दोनों एक हो गये थे।

❐❐